“सरकारी कार्यों में राजभाषा का प्रभावी प्रयोग” विषय पर एक दिवसीय राजभाषा सम्मलेन का आयोजन

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उत्तरी दिल्ली) एवं भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि अनुसन्धान संसथान ने संयुक्त रूप से “सरकारी कार्यों में राजभाषा का प्रभावी प्रयोग” विषय पर एक दिवसीय राजभाषा सम्मलेन का आयोजन 12 अप्रैल 2017 को भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् के डॉ. बी.पी. पाल सभागार में किया। सम्मलेन के मुख्य अतिथि माननीय डॉ. सत्यनारायण जटिया, सांसद एवं उपाध्यक्ष, संसदीय राजभाषा समिति थे । इनके साथ मंच पर श्री विपिन बिहारी जी, संयुक्त सचिव, नराकास, डॉ. प्रेम सिंह, पूर्व निदेशक, राजभाषा विभाग, डॉ, गुरबचन सिंह जी, अध्यक्ष, नराकास (उत्तरी दिल्ली) एवं डॉ. के.वी. प्रभु, संयुक्त निदेशक (शोध) उपस्थित थे ।

उद्घाटन सत्र में अपने उद्बोधन के दौरान श्री विपिन बिहारी जी ने राजभाषा विभाग कि वेबसाइट के विषय में जानकारी दी और सब से आवाह्न किया कि वेबसाइट में जानकारी भरे और अपने मूल कार्य अधिक से अधिक हिंदी में करें । उन्होंने अपने उद्बोधन में विभिन्न धाराओं की जानकारी दी और यह भी बताया कि अब त्रिमासिक प्रगति रिपोर्ट को और भी व्यावहारिक एवं प्रासंगिक बनाया गया है । उन्होंने शीर्षस्थ अधिकारीयों को हिंदी पर और अधिक बल देने के लिए कहा और अपने सह कर्मियों को भी हिंदी भाषा का और अधिक उपयोग करने के लिए प्रोत्साहन देने की बात की। सम्मलेन के मुख्य अतिथि माननीय डॉ. सत्यनारायण जटिया, सांसद एवं उपाध्यक्ष, संसदीय राजभाषा समिति ने अपने उद्घाटन भाषण के दौरान उपस्थित 46 संस्थानों के प्रतिनिधियों का हरदिल अभिनन्दन किया और सभी से अनुरोध किया कि वे अपने कार्यक्षेत्र में हिंदी को बढ़ावा दें । पत्राचार, टिप्पणी आदि के लिए सरल हिंदी के उपयोग से प्रारंभ करके प्रवीणता विकसित करें । उन्होंने ग क्षेत्र में पड़ने वाले इसरो संसथान का एक बेहतरीन उदाहरण प्रस्तुत किया उन्होंने बताया कि इसरो 92% कार्य राजभाषा में कर सकता है तो क क्षेत्र में पड़ने वाले संसथान इससे प्रेरणा लेके और भी आगे बढ़ सकते हैं । सम्मेलन में उपस्थित सभी प्रतिभागियों एवं नराकास अधिकारियो के बीच परस्पर सौहार्द बनाएं और देश हित में कार्य करें ।

डॉ. गुरबचन सिंह ने मंच पर आसीन सभी अतिथियों का धन्यवाद करते हुए पिछले वर्ष में हुए 10 संस्थानों में हुए निरीक्षण की जानकारी दी। उन्होंने हर 6 माह के अन्तराल पर एक मीटिंग करके राजभाषा के विकास के लिए आवश्यक कार्यो पर चर्चा एवं मार्गदर्शन की बात की । उन्होंने राजभाषा के विकास के लिए कुछ सुझाव भी दिए जैसे कि स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर किताबो का हिंदी में प्रकाशन और वैज्ञानिक लेखो के लिए एक उत्कृष्ट जर्नल का विमोचन जिससे अच्छी जानकारी एवं शोध को हिंदी भाषियों के लिए आसानी से उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने सहयोग के

लिए सभी का धन्यवाद किया। सम्मलेन के दौरान राज भाषा सम्बन्धी विबिन्न विषयों पर व्याख्यान एवं चर्चा की गयी ।

अंत में डॉ. के.वी. प्रभु ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। सम्मलेन को और अधिक रोचक बनाने के लिए संस्थान के स्नातकोत्तर छात्रो के द्वारा एक नाटक का मंचन एवं विख्यात कवी एवं लेखक श्री लक्ष्मी शंकर वाजपेयी जी द्वारा व्याख्यान एवं कवितापाठ भी किया गया ।

“सरकारी कार्यों में राजभाषा का प्रभावी प्रयोग” विषय पर एक दिवसीय राजभाषा सम्मलेन की कुछ झलकियाँ

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, उत्तरी दिल्ली
एवं
भा.कृ.अ.प.- भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली
द्वारा संयुक्त रूप से
सरकारी कार्यों में राजभाषा का प्रभावी
विषय पर आयोजित
राजभाषा सम्मेलन
दिनांक: 12 अप्रैल 2017, 9:30 बजे पूर्वाह्न

भा.कृ.अ.प.- भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान,
द्वारा संयुक्त रूप से
सरकारी कार्यों में राजभाषा का प्रभावी प्रयोग
विषय पर आयोजित
राजभाषा सम्मेलन
दिनांक: 12 अप्रैल 2017, 9:30 बजे पूर्वाह्न